इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन

न दबाव, न भेदभाव

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-21 अंक- 315 भोपाल, शुक्रवार, 15 सितम्बर 2017 rashtriyahindimail.com पृष्ठ-12 मूल्य ₹ 2.00

जिसमें सोच, विचार, चिंतन मनन हो वही भाषा हैः नवल शुक्ल

हिंदी दिवस पर सांची विश्वविद्यालय में हिंदी का ब्लॉग लोकार्पित

निज संवाददाता

रायसेन, 14 सितंबर। साँची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्यन विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस पर हिंदी विभाग के ब्लॉग www.subishindi.blogspot.in की शुरुआत की गई। हिंदी विभाग के ब्लॉग पर विभाग एवं विवि के छात्र एवं कर्मचारियों के आलेखए कविताएं एवं अन्य जानकारी तथा हिंदी भाषा संबंधी रुचिपूर्ण लेख प्रकाशित किए जाएंगे। 14 सितंबर को हिंदी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि एवं साहित्यकार नवल शुक्ल ने कहा कि जिस भाषा में चिंतन, मनन,सोच और व्यवहार हो वहीं भाषा है। उनके मुताबिक भाषा मनुष्य के भावों को व्यक्त करने के लिए व्यक्ति का पहला औजार थी। श्री शुक्ल ने कहा कि चेतना का स्तर स्वभाषा से ही बेहतर होगा। उनके मुताबिक प्रयोगों से सिद्ध हो चुका है कि 200 शब्दों से व्यक्ति के संवाद का काम चल सकता है लेकिन भाषा व्यक्ति को विविधता और व्यापकता देती है। श्री शुक्ल ने विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की भित्ती पत्रिका पारमिता को भी जारी किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी भाषा के सह प्राध्यापक प्रो नवीन मेहता ने कहा कि लोगों को चाहिए की वो भाषा को सीखे, समझे और भाषा के साथ स्वयं को भी उन्नत करें।

हिंदी सप्ताह के अवसर पर बारला स्थित अकादमिक परिसर में हिंदी भाषा पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। 12 सितंबर को निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता हुई वहीं 13 सितंबर को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मुख्य समारोह में कविता पाठ हुआ जिसमें छात्रों, कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप किताब उपहार में दी गई। आयोजित निबंध प्रतियोगिता उमाशंकर कौशिक, पीएचडी छात्र योग, पोस्टर प्रतियोगिता . भारत जैन, पीएचडी पैन्टिंग, भाषण .गौतम आर्य, एमए संस्कृत कविता पाठ. स्नेहलता, पीएचडी पैन्टिंग ने प्रथम स्थान हासिल किया।

mp.patrika.com

रायसेन जिला पत्रिका . 12

पत्रिका. शुक्रवार. 15.09.2017

विश्वविद्यालय में हिंदी का ब्लॉग लोकार्पित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्यन विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस पर हिंदी विभाग के ब्लॉग की शुरुआत की गई। हिंदी विभाग के ब्लॉग पर विभाग एवं विवि के छात्र एवं कर्मचारियों के आलेख, कविताएं एवं अन्य जानकारी तथा हिंदी भाषा संबंधी रुचिपूर्ण लेख प्रकाशित किए जाएंगे।

रायसेन. हिंदी दिवस पर कार्यक्रम को किया संबोधित।

14 सितंबर को हिंदी दिवस समारोह के मुख्य अतिथि एवं साहित्यकार नवल शुक्ल ने कहा कि जिस भाषा में चिंतन, मनन, सोच और व्यवहार हो वही भाषा है। उनके मुताबिक भाषा मनुष्य के भावों को व्यक्त करने के लिए व्यक्ति का पहला औजार थी। शुक्ल ने कहा कि चेतना का स्तर स्वभाषा से ही बेहतर होगा। उनके मुताबिक प्रयोगों से सिद्ध हो चुका है कि 200 शब्दों से व्यक्ति के संवाद का काम चल सकता है, लेकिन भाषा व्यक्ति को विविधता और व्यापकता देती है। शुक्ल ने विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की भित्ती पत्रिका श्पारमिताश्स को भी जारी किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के अंग्रेगी भाषा के सह प्राध्यापक प्रो नवीन मेहता ने कहा कि लोगों को चाहिए की वो भाषा को सीखें, समझे और भाषा के साथ स्वयं को भी उन्नत करें।

हिंदी सप्ताह के अवसर पर बारला स्थित अकादमिक परिसर में हिंदी भाषा पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 12 सितंबर को निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता हुई वहीं 13 सितंबर को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मुख्य समारोह में कविता पाठ हुआ जिसमें छात्रोंए कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप किताब उपहार में दी गई।

हिन्दी दिवस सफल प्रतिभागी हुए पुरस्कृत, भित्ती पत्रिका 'पारमिता' भी जारी

हिन्दी दिवस पर सांची विश्वविद्यालय में हिन्दी का ब्लॉग हुआ लोकार्पित

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस पर हिंदी विभाग के ब्लॉग 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एसयूबीआईएस हिन्दी डॉट ब्लॉग स्पाट डॉट इन' की शुरुआत की गई। हिंदी विभाग के ब्लॉग पर विभाग एवं विवि के छात्र एवं कर्मचारियों के आलेख, कविताएं एवं अन्य जानकारी तथा हिंदी भाषा संबंधी रुचिपूर्ण लेख प्रकाशित किए जाएंगे। 14 सितंबर को हिंदी दिवस समारोह के मुख्य अतिथि एवं साहित्यकार नवल शुक्ल ने कहा कि जिस भाषा में चिंतन, मनन, सोच और व्यवहार हो वही भाषा है। उनके मुताबिक भाषा मनुष्य के भावों को व्यक्त करने के लिए व्यक्ति का पहला औजार थी। श्री शुक्ल ने कहा कि चेतना का स्तर स्वभाषा से ही बेहतर होगा। उनके मुताबिक प्रयोगों से सिद्ध हो चुका है कि 200 शब्दों से व्यक्ति के संवाद का काम चल सकता है लेकिन भाषा व्यक्ति को विविधता और व्यापकता देती है। श्री शुक्ल ने विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की भित्ती पत्रिका 'पारमिता' को भी जारी किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी भाषा के सह प्राध्यापक प्रो. नवीन मेहता ने कहा कि लोगों को चाहिए की वो भाषा को सीखें, समझें और भाषा के साथ स्वयं को भी उन्नति करें।

रायसेन। हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित मुख्य अतिथि।

रायसेन। कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

विजेताओं को पुस्तकें देकर किया पुरस्कृत

हिंदी सप्ताह के अवसर पर बारला स्थित अकादमिक परिसर में हिंदी भाषा पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गत 12 सितंबर को निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता हुई। वहीं 13 सितम्बर को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मुख्य समारोह में कविता पाठ हुआ, जिसमें छात्रों, कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पर रहे उमाशंकर कौशिक निबंध प्रतियोगिता, भारत जैन पोस्टर प्रतियोगिता, गौतम आर्य को भाषण एवं स्नेहलता को कविता पाठ में प्रथम आने पर पुरस्कार स्वरूप किताब उपहार में दी गई।